

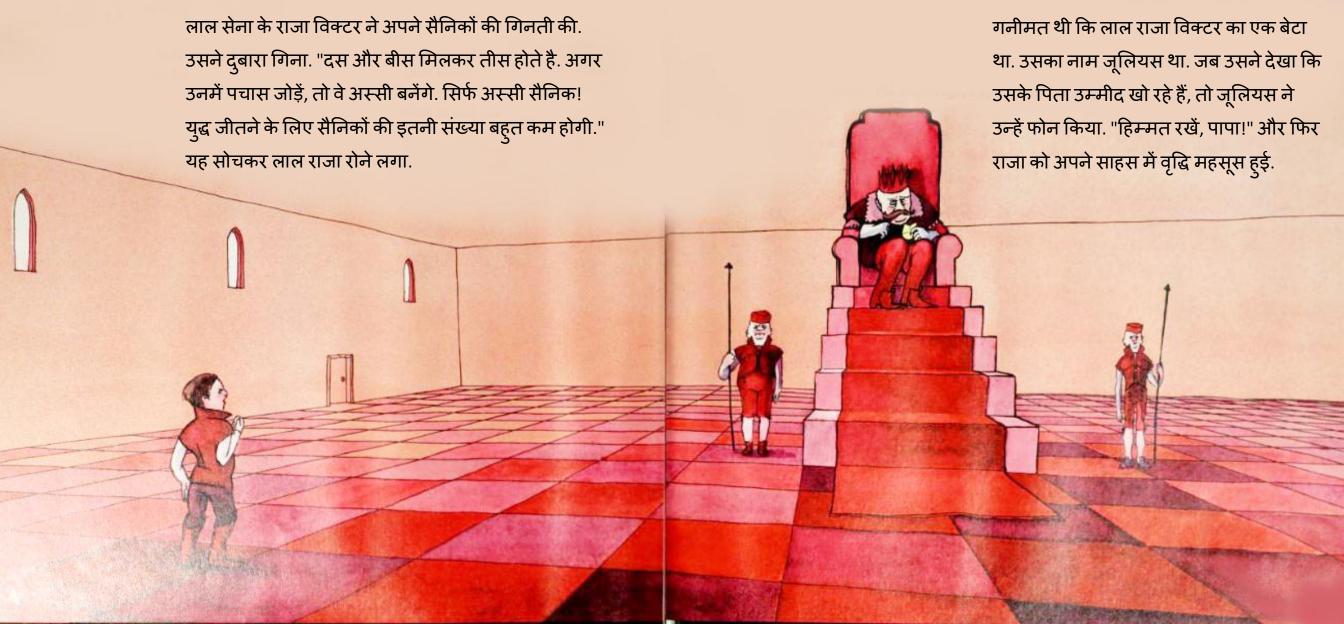


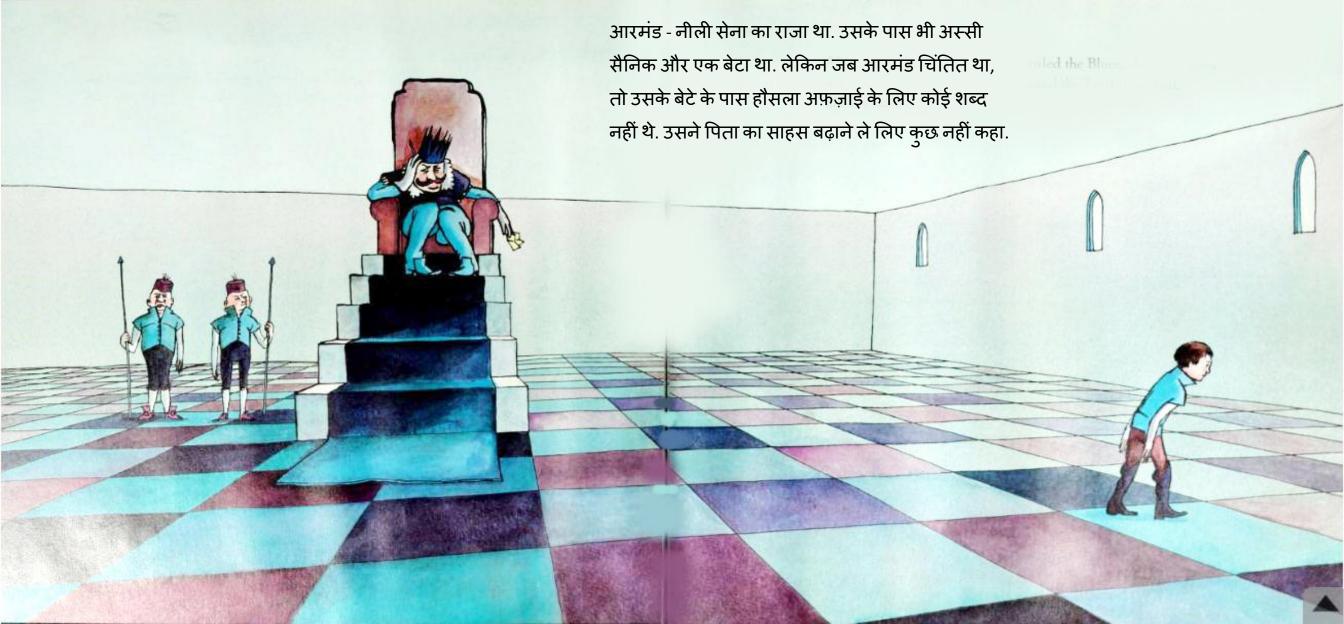
वागलेड



लाल और नीली सेनाएं एक-दूसरे के साथ युद्ध में भिड़ीं थीं. प्रत्येक सुबह, दोनों सेनाओं के लड़ाकू युद्ध के मैदान में जाते और फिर हर शाम वे बचे सैनिक, घायलों और मृतकों को घर वापिस लाते. युद्ध इतने लंबे समय तक चला, कि किसी को यह याद ही नहीं रहा कि आखिर युद्ध शुरू क्यों हुआ था.







आरमंड के बेटे का नाम फैबियन था.फैबियन की युद्ध में कोई दिलचस्पी नहीं थी. दरअसल, फैबियन की किसी भी चीज में ज्यादा रूचि नहीं थी.

वो एक पेड़ पर बैठकर अपना पूरा दिन पार्क में बिताता था. एक दिन, राजकुमार फैबियन को राजकुमार जूलियस का एक पत्र मिला.

उसमें लिखा था :

हम दोनों के पिताओं के पास लगभग न के बराबर सैनिक हैं.

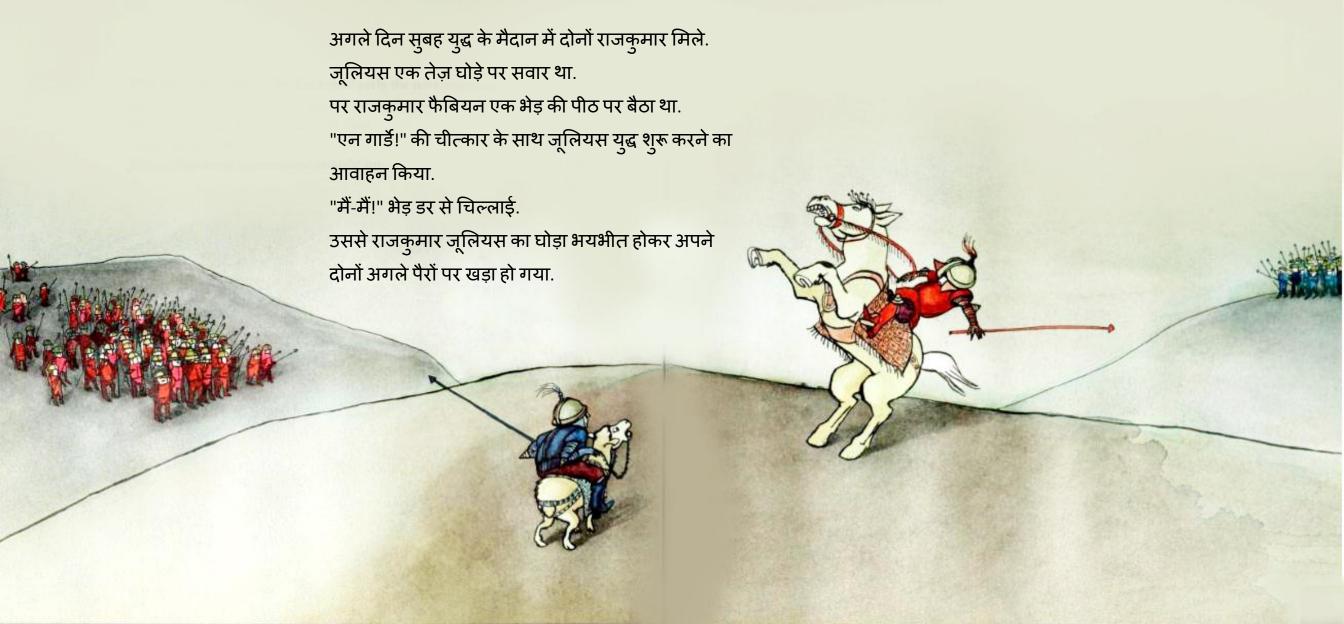
यदि आप वाकई में बहादुर हैं, तो अपने घोड़े और कवच के साथ कल सुबह मुझसे युद्ध के मैदान में मिलें.

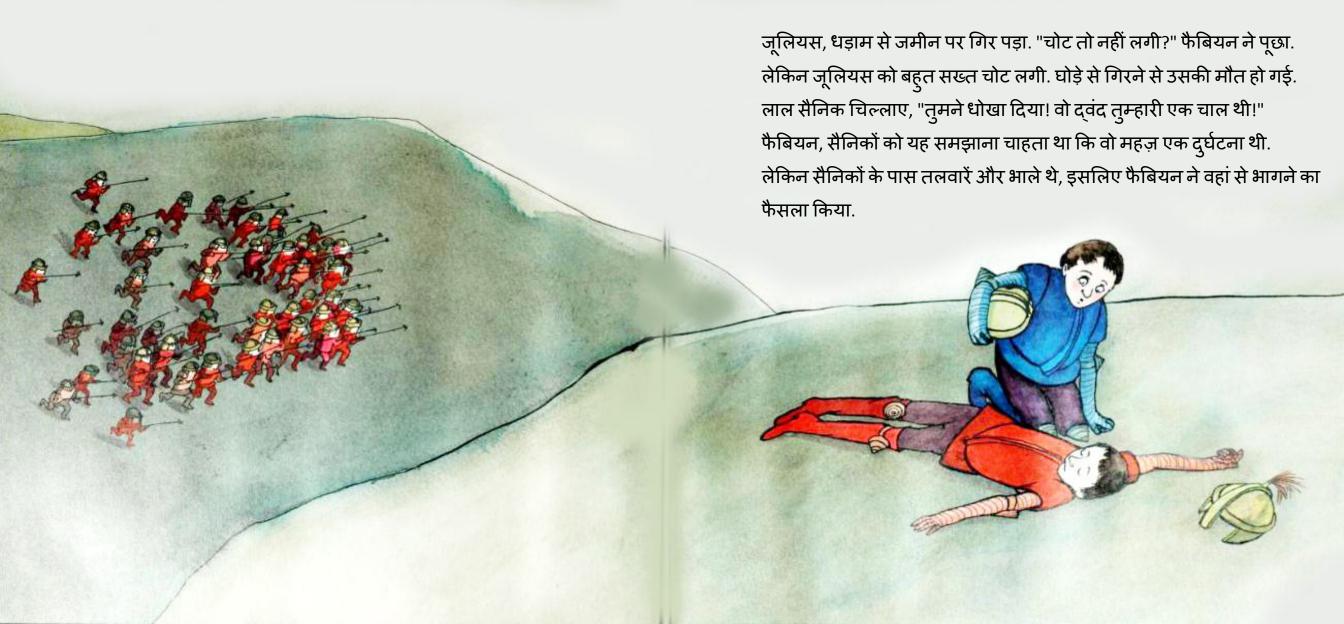
हम दोनों आपस में युद्ध करेंगे, और जो युद्ध में विजयी होगा वो दूसरे राज्य का मालिक बनेगा.

साभार, जूलियस

फैबियन ने एक लम्बी आह भरी. सच में उसे घोड़े ख़ास पसंद नहीं थे.









राजकुमार फैबियन पार्क में जाकर छिप गया. पर जैसे ही दोपहर हुई, वैसे ही सैनिक युद्ध के मैदान में लौटे. तब फैबियन के दिमाग में एक विचार आया. फैबियन ने दो पत्र लिखे - एक आरमंड - नीली सेना के राजा को, और दूसरा विक्टर - लाल सेना के राजा को.



दोनों पत्रों में बिल्कुल एक ही बात लिखी थी. मैं इस समय बेसिल - पीली सेना के राजा के साथ हूं. उसने मुझे अपनी महान और बहादुर सेना सौंपी है. यदि आप वाकई में बहादुर हैं, तो अपने सैनकों को घोड़ों और कवच के साथ तैयार रहें! मैं आपसे कल युद्ध के मैदान में मिलूंगा. साभार, फैबियन

उस शाम को आरमंड ने उस पत्र को पढ़ा. "मेरे कायर, निकम्मे बेटे के पास अब एक सेना है?" राजा दहाड़ा. "उसके पास ज़्यादा-से-ज़्यादा आठ सैनिक होंगे. मैं लड़ाई में उनकी खाट खड़ी कर दूँगा!" जब लाल सेना के राजा विक्टर ने वो पत्र पढ़ा, तो उसने अपने कंधे उचकाए. राजकुमार जूलियस को, द्वंद में धोखा देने के लिए वो फैबियन को कुचल देगा. उसने पत्र अपनी जेब में डाला और फिर बिस्तर पर सोने चला गया.





अगले दिन सुबह लाल और नीली दोनों सेनाएं युद्ध के मैदान में पहुंचीं. जब उसने नीली सेना को अपनी ओर अग्रसर होते हुए देखा, तो लाल सेना के राजा ने चिल्लाकर कहा: "तुम यह क्या कर रहे हो? तुम यहाँ से जाओ."

"हम यहाँ पर पीली सेना का सामना करने आए हैं," नीली सेना के राजा ने समझाया.

"मुझे कुछ समझ में नहीं आ रहा है," लाल सेना के राजा ने शिकायत के लहज़े में कहा.



जब दोनों राजाओं ने अपने पत्रों की तुलना की तो उन्होंने पाया कि वे बिल्कुल एक-समान थे.

"आपके अंदाज़ में पीली सेना के पास कितने सैनिक होंगे?" राजा आरमंड ने आश्चर्य से पूछा.

"शायद आठ, या अस्सी, या आठ सौ," विक्टर ने अपना अनुमान बताया.
"हमें संख्या से कोई फर्क नहीं पड़ता है. हमारे नीले सैनिक बहुत बहादुर हैं,"
आरमंड ने डींग मारते हुए कहा.

विक्टर ने कहा, "और हमारे लाल सैनिक भी एकदम साहसी और निडर हैं."

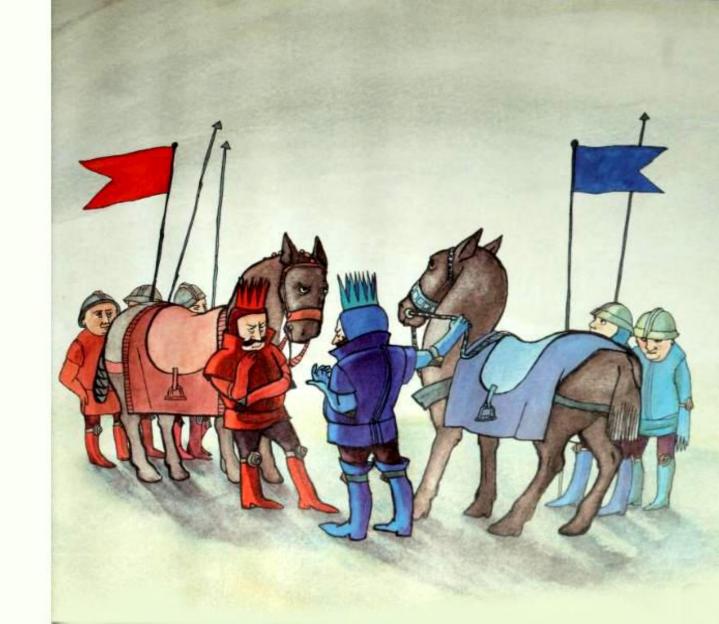


दोपहर के खाने तक लाल और नीली सेनाएं, पीले सेना के आने की प्रतीक्षा कर रही थीं. पर इंतजार किसी को भी बेचैन और नर्वस कर सकता है - बहादुर और निडर सैनिकों को भी.

"सर," राजा आरमंड ने कहा. "चूंकि हम लोग पीली सेना के आठ सौ सैनिकों सामना करने वाले हैं, इसलिए समझदारी इसी में है कि हम एक-दूसरे के सहयोगी बन जाएं."

"मुझे भी लगता है हमें आपस में मिल जाना चाहिए," राजा विक्टर ने भी अपनी सहमति जताई.

फिर दोनों सहयोगी सेनाएं पूरी दोपहर दुश्मन के आने का इंतजार करती रहीं. रात के खाने में, उन्होंने बाहर से सैंडविच मंगवाए. कहीं रात के अँधेरे में पीली सेना हमला न कर दे, यह सोचकर दोनों सेनाओं ने सारी रात युद्ध के मैदान में ही बिताने का फैसला किया.



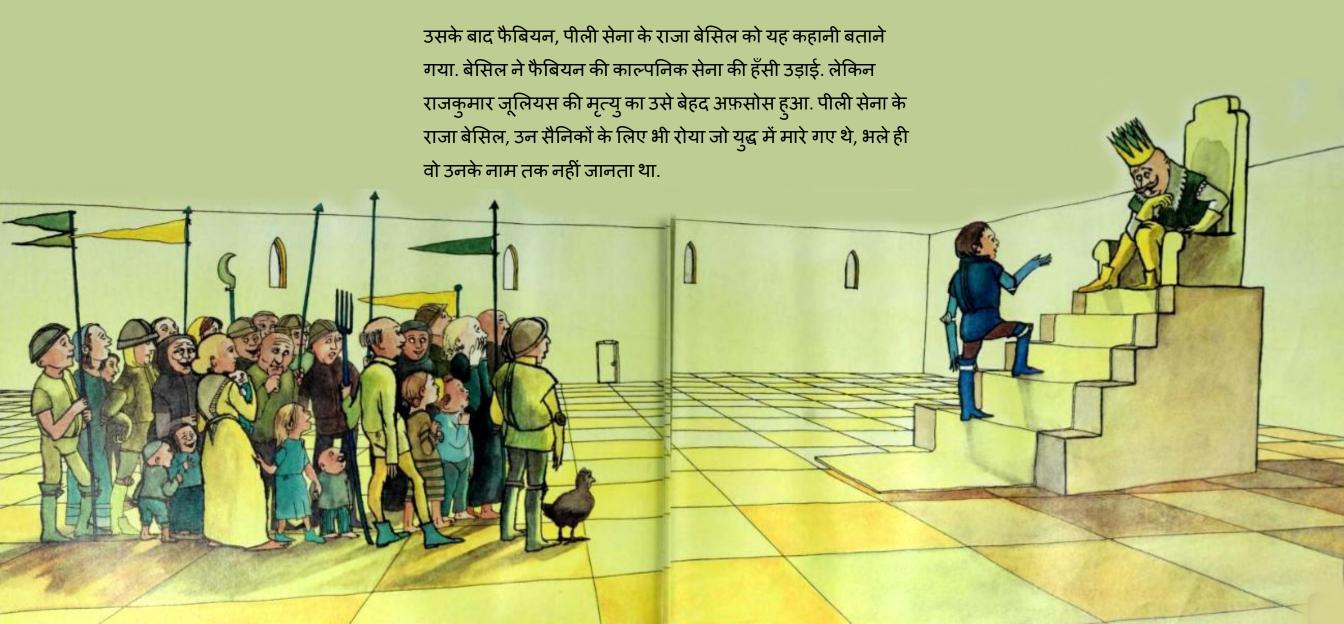
दूसरे दिन भी पीली सेना नहीं आई. फिर दोनों फौजों के सैनिकों ने युद्ध के मैदान में तम्बू लगाए और ठंड से बचने के लिए छोटे-छोटे कैंप फायर जलाए. तीसरे दिन, कुछ सैनिकों की पत्नियाँ युद्ध के मैदान में आई. सैंडविच खाकर बेचारे सैनिक भला कितने दिन ज़िंदा रहते! इसलिए पत्नियां अपने साथ मे बर्तन और खाना भी लाई. चौथे दिन महिलाएं अपने साथ बच्चों को भी लाई. पांचवें दिन, बचे बच्चों का घर में मन नहीं लगा, उन्हें अकेलापन महसूस हुआ, इसलिए वे भी अपनी मांओं में पीछे-पीछे चले आए. धीरे-धीरे करके वे अपनी गायों, सूअरों और मुर्गियों को भी युद्ध के मैदान में ले आए.

बड़े बच्चे, लड़ाई के मैदान में अपने घर से सुबह-शाम, उप-डाउन करने लगे.



फिर दसवें दिन युद्ध का मैदान एक गांव जैसा दिखने लगा. फैबियन ने सोचा, "लाल सेना ने सोचा कि मैंने उन्हें धोखा दिया था, और नीले राजा ने मुझे निकम्मा और बुज़दिल माना था. मेरे पास आजतक कोई सेना नहीं है, और पहले भी कभी नहीं थी. लेकिन मैंने कम-से-कम युद्ध को तो समाप्त करवाया दिया."







"मुझे यह किताब बहुत पसंद है!"

विलियम स्टेग, कई क्लासिक बच्चों की पुस्तकों के रचनाकार और न्यूयॉर्कर के प्रशंसित कार्टूनिस्ट हैं.